नवीन पाठ्यक्रम

Name : .....

Roll No. : 220310222222.....

कुल प्रश्नों की संख्या : 14] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

K-202010–A

विषय : हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80

निर्देश : (*i*) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड-'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड-'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड-'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड-'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

WWW.STUDYDISCUSS.IN

खण्ड-'क'

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"वैदिक युग भारत का प्राय: सबसे अधिक स्वाभाविक काल था। यही कारण है कि आज तक भारत का मन उस काल की ओर बार-बार लोभ से देखता है। वैदिक आर्य अपने युग को स्वर्ण काल कहते थे या नहीं, यह हम नहीं जानते किन्तु उनका समय हमें स्वर्ण काल के समान अवश्य दिखाई देता है। लेकिन जब बौद्ध युग का आरंभ हुआ, वैदिक समाज की पोल खुलने लगी और चिंतकों के बीच उसकी आलोचना आरंभ हो गई। बौद्ध युग अनेक दृष्टियों से आज के आधुनिक आन्दोलन के समान था। ब्राह्मणों की श्रेष्ठता के विरुद्ध बुद्ध ने विद्रोह का प्रचार किया था, बुद्ध जाति-प्रथा के विरोधी थे और वे मनुष्य को जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम मानते थे।

नारियों को भिक्षुणी होने का अधिकार देकर उन्होंने यह बताया था कि मोक्ष केवल पुरुषों के ही निमित्त नहीं है, उनकी अधिकारिणी नारियाँ भी हो सकती हैं। बुद्ध की ये सारी बातें भारत को याद रही हैं और बुद्ध के समय से बराबर इस देश में ऐसे लोग उत्पन्न होते रहे हैं, जो जाति-प्रथा के विरोधी थे। किन्तु बुद्ध में आधुनिकता से बेमेल बात यह थी कि वे निवृत्तिवादी थे, गृहस्थी के कर्म से वे भिक्षु-धर्म को श्रेष्ठ समझते थे। उनकी प्रेरणा से देश के हजारों-लाखों युवक जो समाजिक भरण-पोषण करने के लायक थे, संन्यासी हो गए। संन्यासक संस्था समाज विरोधी संस्था है।"

(*i*) वैदिक युग स्वर्ण काल के समान क्यों प्रतीत होता है ? [2]

(*ii*) जाति-प्रथा व नारियों के विषय में बुद्ध के विचारों को स्पष्ट कर लिखिए। [2]

(*iii*) बुद्ध पर क्या आरोप लगता है और उनकी कौन-सी बात आधुनिकता के प्रसंग में ठीक नहीं बैठती ? [2]

(*iv*) 'संन्यास' का अर्थ स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि इससे समाज को क्या हानि पहुँचती है। [2]

www.STUDYDISCUSS.IN

(v) बौद्ध धर्म ने नारियों को समता का अधिकार दिलाने में किस प्रकार से योगदान दिया ? [2]

(vi) उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग करके लिखिए : [1]

विद्रोह, संन्यास

(vii) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए। [1]

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

निर्भय स्वागत करो मृत्यु का
मृत्यु एक है विश्राम-स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारण कर नव जीवन संबल।
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें
श्रम से कातर जीव नहाकर
फिर नूतन धारण करता है,
काया रूपी वस्त्र बहाकर।
सच्चा प्रेम वही है जिसकी—
तृप्ति आत्म-बलि पर हो निर्भर
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण निछावर।

(i) कवि ने मृत्यु के प्रति निर्भय बने रहने के लिए क्यों कहा है ? [1+1+1+1=4]

(ii) मृत्यु को विश्राम-स्थल क्यों कहा गया है ?

(iii) कवि ने मृत्यु की तुलना किससे और क्यों की है ?

(iv) सच्चे प्रेम की क्या विशेषता बताई गई और उसे कब निष्प्राण कहा गया है ?

WWW.STUDYDISCUSS.IN

खण्ड-'ख'

प्रश्न-3 जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित कहानी 'पुरस्कार' पर निम्न बिंदुओं पर प्रतिक्रिया / आलोचना व्यक्त कर लिखिए : [1½+1½=3]

(अ) संवाद

(ब) भाषा-शैली

अथवा

जगदीशचंद्र माथुर की एकांकी 'रीढ़ की हड्डी' पर निम्न बिंदुओं पर समीक्षा कर लिखिए : http://www.cgboardonline.com

(अ) पात्र एवं चरित्र-चित्रण

(ब) भाषा-शैली

प्रश्न-4 'नदियों की स्वच्छता हमारा नैतिक दायित्व' पर फीचर लिखिए। [3]

अथवा

'विज्ञापनों की लुभावनी दुनिया' पर एक आलेख लिखिए।

प्रश्न-5 पत्रकारिता के माध्यम से निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [1+1+1+1=4]

(अ) पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(ब) खोज-परख पत्रकारिता किसे कहा जाता है ?

(स) पीत-पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(द) एंकर-बाइट किसे कहते हैं ?

प्रश्न-6 निम्नलिखित में से किसी एक पर लगभग *200* शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]

(अ) क्यों न परहेज करें हम प्लास्टिक से

(ब) साइबर अपराध का आतंक

WWW.STUDYDISCUSS.IN

(स) वृक्ष धरा के भूषण

(द) अंतरिक्ष विज्ञान और भारत

प्रश्न-7 रेलवे के आरक्षित डिब्बों में अवांछित तत्वों के घुस आने से यात्रियों को हो रही अनेक प्रकार की समस्याओं का उल्लेख करते हुए चेयरमैन रेलवे बोर्ड, रेल भवन, नई दिल्ली को पत्र लिखकर अपने सुझाव प्रेषित कीजिए। [1+1+2+1=5]

अथवा

किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए जिसमें जगह-जगह आवारा घुमने वाले पशुओं की समस्या की ओर जनता और संबंधित अधिकारियों का ध्यान खींचा गया हो।

खण्ड-'ग'

प्रश्न-8 (*i*) हिन्दी साहित्य जगत में आंचलिक उपन्यास का प्रारंभ किस उपन्यास से हुआ और उसके कृतिकार कौन थे? [½+½=1]

(*ii*) "इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का" रघुवीर सहाय की इस कविता की पंक्ति किसके लिए कहा गया है? [3]

(*iii*) प्रभु प्रलाप सुनि कान बिकल भए बानर निकट।
आइ गयउ हनुमान जिमि करुना महँ बीर रस॥
—इस काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य को उद्धृत कर लिखिए। [3]

(*iv*) 'कविता के बहाने' काव्य में कविता की उड़ान तथा चिड़िया की उड़ान में क्या अंतर है? [1½+1½=3]

प्रश्न-9 (*i*) 'बिना मुरझाए महकना' कवि कुंवर नारायण जी ने किसके संदर्भ में कहा है? इसका क्या अभिप्राय है? [2]

(*ii*) नहला के छलके-छलके निर्मल जल से
उलझे हुए गेसुओं में कंघी करके

WWW.STUDYDISCUSS.IN

किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को
जब घुटनियों में ले के है पिन्हाती कपड़े
—इस रूबाई के शायर का नाम तथा रूबाई की विशेषता लिखिए। [1+1=2]

(*iii*) चार्ली चैप्लिन को भारतीयों ने सहज भाव में क्यों अपनाया? [2]

प्रश्न-10 (*i*) 'काले मेघा पानी दे' अध्याय में 'यथा प्रथा तथा राजा' से लेखक धर्मवीर भारती का क्या आशय है? [2]

(*ii*) 'पहलवान की ढोलक' अध्याय में लुट्टन सिंह की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए (कोई दो)। [1+1=2]

प्रश्न-11 (*i*) 'बाजार-दर्शन' पाठ के आधार पर बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या असर पड़ता है? लिखिए। [1½+1½=3]

(*ii*) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर आदर्श समाज के तीन विशिष्ट गुण लिखिए। [1+1+1=3]

प्रश्न-12 (*i*) हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने शिरीष के माध्यम से कोलाहल तथा संघर्ष से भरी जीवन-स्थितियों में अविचल रहकर जिजीविषु बने रहने की सीख दी है। स्पष्ट कर लिखिए। [3]

(*ii*) 'आत्म-परिचय' कविता में "जहाँ पर दाना रहते हैं, वहीं नादान भी होते हैं।" हरिवंशराय 'बच्चन' ने ऐसा क्यों कहा है? [3]

प्रश्न-13 नदी, कुएँ, स्नानागार और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल-संस्कृति' कह सकते हैं? आपका जवाब लेखक ओम थानवी के पक्ष में है या विपक्ष में? तर्क देकर लिखिए। (*चार* बिंदु में) [1+1+1+1=4]

अथवा

'अतीत के दबे पाँव' अध्याय के आधार पर पर्यटक मुअनजो-दड़ो में क्या-क्या दृश्य देख सकते हैं? किन्हीं चार दृश्यों का परिचय देकर लिखिए।

WWW.STUDYDISCUSS.IN

प्रश्न-14 (*i*) "ऐन की डायरी अगर एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है, तो साथ ही उसके निजी सुख-दुख और भावनात्मक उथल-पुथल का भी। इन पृष्ठों में का फर्क मिट गया है।" इस कथन पर विचार करते हुए अपनी सहमति या असहमति तर्कपूर्वक व्यक्त कर लिखिए। [4]

अथवा

"यह साठ लाख लोगों की तरफ से बोलने वाली एक आवाज है। एक ऐसी आवाज, जो किसी संत या कवि की नहीं, बल्कि एक साधारण लड़की की है।" इल्या इडरनबुर्ग की इस टिप्पणी के संदर्भ में 'ऐन फ्रैंक की डायरी' के पठित अंशों के आधार पर अपने विचार लिखिए।

(*ii*) 'सिल्वर-वैडिंग' कहानी के आधार पर 'यशोधर बाबू' के व्यक्तित्व की कोई चार प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। [1+1+1+1=4]

अथवा

'जूझ' कहानी के आधार पर आनंदा के व्यक्तित्व की कोई चार प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

———

http://www.cbseonline.com

WWW.STUDYDISCUSS.IN

नवीन पाठ्यक्रम

Name : .....

Roll No. : .....

कुल प्रश्नों की संख्या : 14] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

K-202010–B

विषय : हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80

निर्देश : (*i*) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड-'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड-'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड-'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड-'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

WWW.STUDYDISCUSS.IN

खण्ड-'क'

प्रश्न-1. अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

"तत्ववेत्ता शिक्षाविदों के अनुसार विधा दो प्रकार की होती है। प्रथम वह जो हमें जीवनयापन के लिए अर्जन करना सिखाती है। और द्वितीय वह जो हमें जीना सिखाती है। इसमें से एक का भी अभाव जीवन का निरथक बना देता है। बिना कमाए जीवन-निर्वाह संभव नहीं। कोई भी नहीं चाहेगा कि वह परावलंबी हो-माता-पिता परिवार के सदस्य, जाति या समाज पर। पहली विद्या से विहीन व्यक्ति का जीवन दूभर हो जाता है, वह दूसरों के लिए भार बन जाता है। साथ ही विद्या के बिना सार्थक जीवन नहीं जिया जा सकता। बहुत अर्जित कर लेने वाले व्यक्ति का जीवन यदि सुचारू रूप से नहीं चल रहा, उसमें यदि वह जीवन-शक्ति नहीं है जो उसके अपने जीवन को तो सत्यपथ में अग्रसर करती ही है साथ ही वह अपने समाज, जाति और राष्ट्र के लिए भी मार्ग दर्शन करती है, तो उसका जीवन भी मानव-जीवन का अभिधान नहीं पा सकता। वह भारवाही गर्दभ बन जाता है या पूँछ-सींग विहीन पशु कहा जाता है।

वर्तमान भारत में दूसरी विद्या का प्रायः अभाव दिखाई देता है, परंतु पहली विद्या का रूप भी विकृत ही है, क्योंकि न तो स्कूल-कॉलेजों में शिक्षा प्राप्त करके निकला छात्र जीविकार्जन के योग्य बन पाता है और न ही वह उन संस्कारों से युक्त हो पाता है, जिनसे व्यक्ति 'कु' से 'सु' बनता है, सुशिक्षित, सुसभ्य और सुसंस्कृत कहलाने का अधिकारी होता है। वर्तमान शिक्षा पद्धति के अंतर्गत हम जो विद्या प्राप्त कर रहे हैं, उसकी विशेषताओं को सर्वथा नकारा भी नहीं जा सकता। यह शिक्षा कुछ सीमा तक हमारे दृष्टिकोण को विकसित भी करती है, हमारी मनीषा को प्रबुद्ध बनाती है तथा भावनाओं को चेतन करती है, किन्तु कला, शिल्प प्रौद्योगिकी आदि की शिक्षा नाम मात्र की होने के फलस्वरूप इस देश के स्नातक के लिए जीविकार्जन टेढ़ी खीर बन जाती है और बृहस्पति बना युवक नौकरी की तलाश में अर्जियाँ लिखने में ही अपने जीवन का बहुमूल्य समय बर्बाद कर लेता है।"

http://www.cgboardonline.com

(i) व्यक्ति किस परिस्थिति में मानव-जीवन की उपाधि नहीं पा सकता? (2)

(ii) विद्या के कौन-कौन से दो रूप बताए गए हैं ? (2)

(iii) वर्तमान शिक्षा पद्धति के लाभ व हानि बताइए। (2)

(iv) विद्या-हीन व्यक्ति की समाज में क्या दशा होती है ? (2)

(v) शिक्षित युवकों को अपना बहुमूल्य समय क्यों बर्बाद करना पड़ता है ? (2)

(vi) संधि-विच्छेद कर लिखिए (1)

(क) परावलंबी (ख) जीविकोपार्जन

(vii) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (1)

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर, इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

अपना नहीं अभाव मिटा पाया जीवन भर

पर औरों के सभी अभाव मिटा सकता हूँ
तूफानों-भूचालों की भयप्रद छाया में
मैं ही एक अकेला हूँ जो गा सकता हूँ।
मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है,
इसमें मुझ-से अगणित प्राणी आ जाते हैं।
मुझको अपने पर अदम्य विश्वास रहा है।
मैं खण्डहर को फिर से महल बना सकता हूँ।
जब-जब भी मैंने खण्डहर आबाद किए हैं
प्रलय-मेघ-भूचाल देख मुझको शरमाए।
मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या है
अगठित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए।

(i) उपर्युक्त काव्य पंक्ति में किसका महत्व प्रतिपादित किया गया है? (1)

(ii) स्वर्ग के प्रति मजदूर की विरक्ति का क्या कारण है? (1)

(iii) किन कठिन परिस्थितियों में उसने अपनी निर्भयता प्रकट की है? (1)

(iv) अपनी शक्ति और क्षमता के प्रति उसने क्या कहकर अपना आत्म-विश्वास प्रकट किया है? (1)

खण्ड-'ख'

प्रश्न-3 'नदियों की स्वच्छता हमारा नैतिक दायित्व' पर फीचर लिखिए। (3)

अथवा

'विज्ञापनों की लुभावनी दुनिया' पर एक आलेख लिखिए।

प्रश्न-4 पत्रकारिता के माध्यम से निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [1+1+1+1=4]

(अ) पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं?

(ब) खोज-परख पत्रकारिता किसे कहा जाता है?

(स) पीत-पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं?

(द) एंकर-बाइट किसे कहते हैं?

प्रश्न-5 रेलवे के आरक्षित डिब्बों में अवांछित तत्वों के घुस आने से यात्रियों को हो रही अनेक प्रकार की समस्याओं का उल्लेख करते हुए चेयरमैन, रेलवे बोर्ड, रेल भवन, नई दिल्ली को पत्र लिखकर अपने सुझाव प्रेषित कीजिए। [1+1+2+1=5]

अथवा

दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए जिसमें जगह-जगह आवारा घुमने वाले पशुओं की समस्या की ओर जनता और संबंधित अधिकारियों का ध्यान खींचा गया हो।

प्रश्न-6 निम्नलिखित में से किसी एक पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]

(अ) क्यों न परहेज करें हम प्लास्टिक से

WWW.STUDYDISCUSS.IN

(ब) साइबर अपराध का आतंक

(स) वृक्ष धरा के भूषण

(द) अंतरिक्ष विज्ञान और भारत

प्रश्न-7 जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित कहानी 'पुरस्कार' पर निम्न बिंदुओं पर प्रतिक्रिया/आलोचना व्यक्त कर लिखिए : http://www.cgboardonline.com [1½+1½=3]

(अ) संवाद

(ब) भाषा-शैली

अथवा

जगदीशचंद्र माथुर की एकांकी 'रीढ़ की हड्डी' पर निम्न बिंदुओं पर समीक्षा कर लिखिए :

(अ) पात्र एवं चरित्र-चित्रण

(ब) भाषा-शैली

खण्ड-'ग'

प्रश्न-8 (i) धर्मवीर भारती के गीत नाट्य कृति का नाम लिखिए।

(ii) 'बादल राग' कविता में निराला ने अट्टालिकाओं को आतंक-भवन कहा गया है, क्यों?

(iii) कथा कही सब तेहि अभिमाना। जेहि प्रकार सीता हरि आनी। [1]

तात कपिन्ह सब निसिचर मारे। महा-महा जोधा संहारे॥ [3]

इस काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य को उद्धृत कर लिखिए। [3]

(iv) "उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ" कवि हरिवंशराय बच्चन जी इस पंक्ति में क्या कहना चाहते हैं? [3]

प्रश्न-9 (i) "जादू टूटता है इस उषा का अब सूर्योदय हो रहा है।" शमशेर बहादुर सिंह जी की इस पंक्ति में 'जादू टूटता है' का आशय स्पष्ट कर लिखिए। [2]

(ii) आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों ये झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है ।
गुंज उठती खिलखिलाते बच्चे की हँसी।
इस रूबाई के शायर का नाम तथा इस रूबाई में प्रयुक्त मुहावरों को लिखिए। [1+1=2]

(iii) चार्ली चैप्लिन किन-किन के नजदीक लगते हैं? [2]

प्रश्न-10 (i) 'काले मेघा पानी दे' अध्याय में 'इंदर सेना' सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोली है ? दो कारण लिखिए।

(ii) 'पहलवान की ढोलक' अध्याय में चाँद सिंह को शेर के बच्चे की उपाधि कैसे मिली? [2]

प्रश्न-11 (i) 'बाजार दर्शन' अध्याय में बाजार जाने या न जाने के संदर्भ में मन की कई स्थितियों का जिक्र आया है। आप इन स्थितियों से जुड़े अपने अनुभवों का वर्णन कर लिखिए : [1+1+1=3]

WWW.STUDYDISCUSS.IN

(क) मन खाली हो। (ख) मन खाली न हो। (ग) मन बंद हो।

(ii) जाति-प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भूखमरी का भी एक कारण कैसे से बनती है ? क्या यह स्थिति आज भी है ? [1½+1½ =3]

प्रश्न-12 (i) 'आत्म-परिचय' कविता में 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है ? [1½+1½ =3]

(ii) 'उषा' कविता में 'सिल' और 'स्लेट' के माध्यम से कवि श्री शमशेर बहादुर सिंह जी ने किस प्रकार अपने मंतव्य को प्रकाशित किया है ? लिखिए। [3]

प्रश्न-13 "ऐन की डायरी अगर एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है, तो साथ ही उसके निजी सुख-दुख और भावनात्मक उथल-पथल का भी। इन पृष्ठों में का फर्क मिट गया है।" इस कथन पर विचार करते हए अपनी सहमति या असहमति तर्कपूर्वक व्यक्त कर लिखिए। [4]

अथवा

"यह साठ लाख लोगों की तरफ से बोलने वाली एक आवाज है। एक ऐसी आवाज, जो किसी संत या कवि की नहीं, बल्कि एक साधारण लड़की की है।" इल्या इडरनबुर्ग की इस टिप्पणी के संदर्भ में 'ऐन फ्रैंक की डायरी' के पठित अंशों के आधार पर अपने विचार लिखिए।

प्रश्न-14 (i) 'सिल्वर-वैडिंग' कहानी के आधार पर 'यशोधर बाबू' के व्यक्तित्व की कोई चार प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। [1+1+1+1=4]

अथवा

'जूझ' कहानी के आधार पर आनंदा के व्यक्तित्व की कोई चार प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(ii) नदी, कुएँ, स्नानागार और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल-संस्कृति' कह सकते हैं? आपका जवाब लेखक ओम थानवी के पक्ष में है या विपक्ष में ? तर्क देकर लिखिए। (चार बिंदु में) [1+1+1+1=4]

अथवा

'अतीत के दबे पाँव' अध्याय के आधार पर पर्यटक मुअनजो-दड़ो में क्या-क्या दृश्य देख सकते हैं ? किन्हीं चार दृश्यों का परिचय देकर लिखिए।

WWW.STUDYDISCUSS.IN

नवीन पाठ्यक्रम

Name : .... : .. ..

M-34

Roll No. : ....

कुल प्रश्नों की संख्या : 14] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

WWW.STUDYDISCUSS.IN

K-202010–C

विषय : हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80

निर्देश : (*i*) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड–'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड–'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड–'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड–'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड-'क'

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"भारतीय धर्म नीति के प्रणेता नैतिक मूल्यों के प्रति अधिक जागरूक थे। उनकी यह धारणा थी कि नैतिक मूल्यों का दृढ़ता से पालन किए बिना किसी भी समाज की आर्थिक व सामाजिक प्रगति की नीतियाँ प्रभावी नहीं हो सकतीं। उन्होंने उच्च कोटि की जीवन-प्रणाली के निर्माण के लिए वेद की एक ऋचा के आधार पर कहा कि उत्कृष्ट जीवन-प्रणाली मनुष्य की विवेक-बुद्धि से तभी निर्मित होनी संभव है जब लोगों के संकल्प, निश्चय, अभिप्राय समान हों, सबके हृदय में समानता की भव्य भावना जाग्रत हो और सब लोग पारस्परिक सहयोग से मनोनुकूल कार्य करें। चरित्र-निर्माण की जो दिशा नीतिकारों ने निर्धारित की वह आज भी अपने मूल रूप में मानव के लिए कल्याणकारी है। प्राय: यह देखा जाता है कि चरित्र और नैतिक मूल्यों की उपेक्षा वाणी, बाहु और उदर को संयत न रखने के कारण होती है। जो व्यक्ति इन तीनों पर नियंत्रण रखने में सफल हो जाता है, उसका चरित्र ऊँचा होता है।

सभ्यता का विकास आदर्श चरित्र से ही संभव है। जिस समाज में चरित्रवान व्यक्तियों का बाहुल्य है, वह समाज सभ्य होता है और वही उन्नत कहा जाता है। चरित्र मनुष्य-समुदाय की अमूल्य निधि है। इसके अभाव में व्यक्ति पशुवत व्यवहार करने लगता है। आहार, निद्रा, भय आदि की वृत्ति सभी जीवों में विद्यमान रहती है। यह आचार अर्थात चरित्र की ही विशेषता है, जो मनुष्य को पशु से अलग कर उससे ऊँचा उठा मनुष्यत्व प्रदान करती है। सामाजिक अनुशासन बनाए रखने के लिए भी चरित्र-निर्माण की आवश्यकता है। सामाजिक अनुशासन की भावना व्यक्ति में तभी जाग्रत होती है, जब वह मानव प्राणियों में ही नहीं वरन सभी जीवधारियों में अपनी आत्मा के दर्शन करता है।"

(*i*) हमारे धर्म नीतिकार नैतिक मूल्यों के प्रति विशेष जागरूक क्यों थे? [2]

(*ii*) चरित्र मानव-जीवन की अमूल्य निधि कैसे है? स्पष्ट कर लिखिए। [2]

(*iii*) धर्म नीतिकारों ने उच्च कोटि की जीवन-प्रणाली के संबंध में क्या कहा? [2]

WWW.STUDYBUSS.IN

(*iv*) प्रस्तुत गद्यांश में किन पर नियंत्रण रखने की बात कही गई है और क्यों? [2]

(*v*) कैसा समाज सभ्य और उन्नत कहा जाता है? [2]

(*vi*) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए। [1]

(*vii*) 'उत्कृष्ट' शब्द का विलोम शब्द व 'बाहु' शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखिए। [½+½=1]

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"माना आज मशीनी युग में समय बहुत ही महंगा है लेकिन

तुम थोड़ा अवकाश निकालो तुमसे दो बातें करनी है।

उम्र बहुत बाकी है लेकिन, उम्र बहुत छोटी भी तो है।

एक स्वप्न मोती का है तो, एक स्वप्न रोटी भी तो है

घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता है

सोया है विश्वास जगा लो हम सब को नदिया तरनी है

तुम थोड़ा अवकाश निकालो तुमसे दो बातें करनी है।

मन छोटा करने से मोटा काम नहीं छोटा होता है,

नेह-कोष को खुलकर बाँटो, कभी नहीं टोटा होता है,

आँसू वाला अर्थ न समझे, तो तब ज्ञान व्यर्थ जाएँगे,

मत सच का आभास दबा लो, शाश्वत भाग नहीं भरनी है,

तुम थोड़ा अवकाश निकालो, तुमसे दो बातें करनी है।"

(*i*) मशीनी युग में समय महँगा होने का क्या तात्पर्य है? इस कथन पर आपकी राय क्या है? [1+1+1+1=4]

(*ii*) 'मोती का स्वप्न' और 'रोटी का स्वप्न' से क्या तात्पर्य है? दोनों किसके प्रतीक हैं?

(*iii*) "घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता है।" इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कर लिखिए।

(*iv*) सच का आभास क्यों नहीं दबाना चाहिए?

खण्ड-'ख'

प्रश्न-3 पत्रकारिता के माध्यम से निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [1+1+1+1=4]

(अ) पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(ब) खोज-परख पत्रकारिता किसे कहा जाता है ?

(स) पीत-पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(द) एंकर-बाइट किसे कहते हैं ?

प्रश्न-4 जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित कहानी 'पुरस्कार' पर निम्न बिंदुओं पर प्रतिक्रिया / आलोचना व्यक्त कर लिखिए : [1½+1½=3]

(अ) संवाद

(ब) भाषा-शैली

अथवा

जगदीशचंद्र माथुर की एकांकी 'रीढ़ की हड्डी' पर निम्न बिंदुओं पर समीक्षा कर लिखिए :

(अ) पात्र एवं चरित्र-चित्रण

(ब) भाषा-शैली

प्रश्न-5 नदियों की स्वच्छता हमारा नैतिक दायित्व' पर फीचर लिखिए। [3]

अथवा

विज्ञापनों की लुभावनी दुनिया' पर एक आलेख लिखिए।

प्रश्न-6 रेलवे के आरक्षित डिब्बों में अवांछित तत्वों के घुस आने से यात्रियों को हो रही अनेक प्रकार की समस्याओं का उल्लेख करते हुए चेयरमैन, रेलवे बोर्ड, रेल भवन, नई दिल्ली को पत्र लिखकर अपने सुझाव प्रेषित कीजिए। [1+1+2+1=5]

WWW.STUDYDISCUSS.IN

अथवा

दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए जिसमें जगह-जगह आवारा घुमने वाले पशुओं की समस्या की ओर जनता और संबंधित अधिकारियों का ध्यान खींचा गया हो।

प्रश्न-7 निम्नलिखित में से किसी एक पर लगभग *200* शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]

(*अ*) क्यों न परहेज करें हम प्लास्टिक से

(*ब*) साइबर अपराध का आतंक

(*स*) वृक्ष धरा के भूषण

(*द*) अंतरिक्ष विज्ञान और भारत

खण्ड-'ग'

प्रश्न-8 (*i*) 'छोटा मेरा खेत' कविता, उमाशंकर जोशी की रचना के संदर्भ में अंधड़ और बीज क्या है? [1+1=2]

(*ii*) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में गरबीली-गरीबी के प्रयोग-सौंदर्य को स्पष्ट कर लिखिए। http://www.cgboardonline.com [2]

(*iii*) भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद-प्रीति अपारा।
मन महुँ जात सराहत पुनि-पुनि पवन कुमारा॥
—इस काव्यांश के शिल्प सौंदर्य को उद्धृत कर लिखिए। [2]

प्रश्न-9 (*i*) 'डाल की तरह लचीले वेग' से कवि आलोक धन्वा जी का क्या अभिप्राय है? [2]

(*ii*) आँगन में ठुनक रहा है जिद्याया है
बालक तो हई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आईने में चाँद उतर आया है।
—इस रूबाई के शायर कौन हैं? इस रूबाई में किस रस की प्रधानता है? [1+1=2]

WWW.STUDYDISCUSS.IN

प्रश्न-10 (*i*) क्या कारण है कि विकासशील देशों में चार्ली चैप्लिन लोकप्रिय हो रहे हैं? [2]

(*ii*) 'काले मेघा पानी दे' अध्याय में दान के लिए क्या आवश्यक है और क्यों? [2]

(*iii*) 'पहलवान की ढोलक' अध्याय में लुट्टन सिंह ने विजयी होने के पश्चात किसे और क्यों सबसे पहले प्रणाम किया? [1+1=2]

प्रश्न-11 ○ (*i*) 'शिरीष के फूल' हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के किस संग्रह से उद्धृत है? [1]

(*ii*) 'आत्म-परिचय' कविता एक ओर जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात करती है और दूसरी ओर 'मैं न जग का ध्यान किया करता हूँ' की बात करती है—विपरीत से लगते इन कथनों का क्या आशय है? [3]

(*iii*) तुलसी-युग में भी बेरोजगारी थी। पाठ के आधार पर अपना मन्तव्य लिखिए तथा उस समस्या के समाधान के लिए तुलसीदास जी ने किस भरोसा को जताया है? [2+1=3]

(*iv*) बाजारू-पन से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं? और क्यों? [1+2=3]

प्रश्न-12 (*i*) जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे डॉ. अंबेदकर जी के क्या तर्क हैं? कोई तीन तर्क लिखिए। [1+1+1=3]

(*ii*) "हृदय की कोमलता को बचाने के लिए व्यवहार की कठोरता भी कभी-कभी जरूरी हो जाती है।" शिरीष के फूल' अध्याय के आधार पर स्पष्ट कर लिखिए। [3]

प्रश्न-13 'सिल्वर-वैडिंग' कहानी के आधार पर 'यशोधर बाबू' के व्यक्तित्व की कोई चार विशेषता लिखिए। [1+1+1+1=4]

अथवा

'जूझ' कहानी के आधार पर आनंदा के व्यक्तित्व की कोई चार विशेषता लिखिए।

प्रश्न-14 (*i*) नदी, कुएँ, स्नानागार और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल-संस्कृति' कह सकते हैं? आपका जवाब लेखक ओम थानवी के पक्ष में है या विपक्ष में? तर्क देकर लिखिए (*चार* बिंदु में)। [1+1+1+1=4]

अथवा

'अतीत के दबे पाँव' अध्याय के आधार पर पर्यटक मुअनजो-दड़ो में क्या-क्या दृश्य देख सकते हैं? किन्हीं चार दृश्यों का परिचय देकर लिखिए।

(*ii*) "ऐन की डायरी अगर एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है, तो साथ ही उसके निजी सुख-दुख और भावनात्मक उथल-पुथल का भी। इन पृष्ठों में का फर्क मिट गया है।" इस कथन पर विचार करते हुए अपनी सहमति या असहमति तर्कपूर्वक व्यक्त कर लिखिए। [4]

अथवा

"यह साठ लाख लोगों की तरफ से बोलने वाली एक आवाज है। एक ऐसी आवाज, जो किसी संत या कवि की नहीं, बल्कि एक साधारण लड़की की है।" इल्या इडरनबुर्ग की इस टिप्पणी के संदर्भ में 'ऐन फ्रैंक की डायरी' के पठित अंशों के आधार पर अपने विचार लिखिए।

www.studydiscuss.in